राष्ट्रसंत तुकड़ोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर

वी ए तृतीय सत्र CBCS

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार

प्रयोजनमूलक हिन्दी का पाठ्यक्रम

सत्र - 2022-2023 से प्रस्तावित

वी ए सेमेस्टर- III

उद्देश्य-

- कार्यालयीन क्षेत्र में हिन्दी की बहुउपयोगिता की जानकारी देना।
- विद्यार्थियों को जनसंचार माध्यम की जानकारी उपलब्ध कराना।
- विद्यार्थियों को मुद्रित जनसंचार माध्यम की जानकारी देना।
- इलेक्ट्रानिक जनसंचार माध्यम की जानकारी और हिन्दी उपयोगिता से विद्यार्थियों को अवगत करना।
- प्रेस प्रबंधन के अंतर्गत हिन्दी का उपयोग कैसे होता है इसकी जानकारी विद्यार्थियों को देना।

पाठ्यक्रम प्रतिफलन-

- विद्यार्थियों को कार्यालयीन क्षेत्र में हिन्दी की बहुउपयोगिता की जानकारी प्राप्त होगी।
- जनसंचार माध्यम में हिन्दी की उपयोग की जानकारी विद्यार्थियों को होगी।
- विद्यार्थियों को मुद्रित जनसंचार माध्यम की जानकारी प्राप्त होगी।
- इलेक्ट्रानिक जनसंचार माध्यम की जानकारी से विद्यार्थी अवगत होंगे।
- प्रेस प्रबंधन के अंतर्गत हिन्दी का उपयोग कैसे होता है इसकी जानकारी विद्यार्थियों को मिलेगी।

राष्ट्रसंत तुकड़ोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर

वी ए चतुर्थ सत्र CBCS

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार

प्रयोजनमूलक हिन्दी का पाठ्यक्रम

सत्र - 2022-2023 से प्रस्तावित

सेमिस्टर – III

प्रयोजनमूलक हिन्दी (ऐच्छिक)

इकाई 1. जनसंचार माध्यम

- अर्थ, परिभाषा एवं प्रकृति
- जनसंचार के प्रमुख प्रकार, विशेषताएँ
- जनसंचार माध्यम और भाषा
- राष्ट्र के विकास में जनसंचार माध्यम की भूमिका और महत्व

इकाई 2. मुद्रित जनसंचार माध्यम

- पत्रकारिता–अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
- पत्रकारिता का उद्‌भव और विकास
- पत्रकारिता के प्रकार
- समाचार संकलन एवं लेखन
- समाचार संपादन कला– शीर्षक संरचना, आमुख, पृष्ठ विन्यास
- संपादन के आधारभूत तत्व, संपादक के गुण

इकाई 3. इलेक्ट्रानिक जनसंचार माध्यम/(श्रव्य एवं दृश्य–श्रव्य माध्यम)

- श्रव्य माध्यम–अर्थ, स्वरूप एवं प्रकृति
- रेडियो की भाषा, समाचार लेखन एवं वाचन
- रेडियो लेखन के विभिन्न प्रकार–उद्‌घोषणा, रेडियो नाटक, रेडियो फीचर
- दृश्य-श्रव्य माध्यम – अर्थ, स्वरूप एवं प्रकृति
- दृश्य-श्रव्य माध्यमों की भाषा,
- समाचार लेखन एवं वाचन, पार्श्ववाचन

इकाई 4. प्रेस प्रबंधन एवं आचार–संहिता

- प्रेस प्रबंधन – आशय और औचित्य
- प्रेस प्रबंधन की प्रक्रिया
- प्रेस प्रबंधन का महत्व
- प्रेस : प्रमुख कानून
- प्रेस संबंधी महत्वपूर्ण सुधार
- प्रेस की आचार संहिता

बी ए सेमेस्टर- IV

उद्देश्य-

- पारिभाषिक शब्दावली की जानकारी प्रदान करना।
- अनुवाद के उपयोगिता एवं महत्व की जानकारी देना।
- अनुवाद के प्रकारों की जानकारी प्रदान करना।
- अनुवाद की सहायता से जिन क्षेत्रों में सफलता मिल सकती है उसकी जानकारी देना।
- पारिभाषिक शब्दावली की सहायता से रोजगार की संभावनाओं की जानकारी देना।

पाठ्यक्रम प्रतिफलन-

- पारिभाषिक शब्दावली से विद्यार्थी परिचित होंगे।
- विद्यार्थियों को अनुवाद के महत्व एवं उपयोग की जानकारी प्राप्त होगी।
- अनुवाद के कितने प्रकार और उपयोग होते हैं यह विद्यार्थियों को पता चलेगा।
- अनुवाद की सहायता से किन क्षेत्रों में सफल हो सकते हैं यह पता चलेगा।
- विद्यार्थियों को हिन्दी में रोजगार की संभावनाओं की जानकारी प्राप्त होगी।

सेमिस्टर – IV

प्रयोजनमूलक हिन्दी (ऐच्छिक)

इकाई 1. पारिभाषिक शब्दावली

- अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
- पारिभाषिक शब्दावली का इतिहास एवं विविध दृष्टिकोण
- पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिद्धान्त
- पारिभाषिक शब्दावली निर्माण की प्रक्रिया

इकाई 2. अनुवाद

- अनुवाद – अर्थ एवं परिभाषा
- अनुवाद के सिद्धान्त
- अनुवाद के उपकरण
- प्रयोजनमूलक हिन्दी में अनुवाद का महत्व

इकाई 3. अनुवाद के प्रकार एवं मूल्यांकन

- शब्दानुवाद, भावानुवाद
- सरानुवाद, आशु–अनुवाद
- अनुवादक के गुण
- दुभाषिया प्रविधि
- अनुवाद पुनरीक्षण
- अनुवाद मूल्यांकन

इकाई 4. विविध क्षेत्रों में अनुवाद

- कार्यालयीन अनुवाद – अर्थ एवं विशेषताएँ
- कार्यालयीन अनुवाद की समस्याएँ एवं समाधान
- बैंकिग क्षेत्र में अनुवाद
- पत्रकारिता में अनुवाद
- विज्ञान में अनुवाद

प्रश्न पत्र प्रारूप एवं अंक विभाजन

प्रयोजनमूलक हिन्दी

प्रयोजनमूलक हिन्दी के सभी सेमेस्टर में (sem I से sem VI तक)
प्रश्नपत्र का प्रारूप एवं अंक विभाजन समान होगा।

प्रश्न 1. प्रथम इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे, जिसमें से एक का उत्तर लिखना होगा. 20

प्रश्न 2. द्वितीय इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे, जिसमें से एक का उत्तर लिखना होगा. 20

प्रश्न 3. यह प्रश्न तीसरी इकाई से दो खंडों में होगा,

प्रथम खंड से दो प्रश्न पूछे जाएँगे, एक का उत्तर लिखना होगा. 1 x 10

द्वितीय खंड से दो प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक का उत्तर लिखना होगा. 1 x 10

प्रश्न 4. इकाई चार से

अ. इसके अंतर्गत तीन प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से दो का उत्तर लिखना होगा. 2 x 5 = 10

ब. इसके अंतर्गत तीन प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से दो का उत्तर लिखना होगा, 2 x 5 = 10

लिखित परीक्षा – कुल 80 अंक

आंतरिक मूल्यांकन – 20 अंक का होंगा,

जिसका विभाजन उपस्थिति, गृह–कार्य, मौखिकी एवं समग्र व्यवहार के आधार पर निर्भर होगा.

प्रयोजनमूलक हिन्दी

सहायक ग्रंथ :

1) राजभाषा प्रबंधन विविध आयाम : डॉ. दामोदर खडसे, आधार प्रकाषन, पंचकुला, हरियाणा.

2) बैंको में प्रयोजनशील हिन्दी : डॉ. अनिल तिवारी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली.

3) सरकारी कार्यालयों व बैंको में प्रयोजनशील हिन्दी : डॉ. अनिल तिवारी, विश्वभारती प्रकाशन, नागपुर.

4) सरल हिन्दी व्याकरण : डॉ. प्रेमभारती, आचार्य प्रकाशन, इलाहबाद.

5) राजभाषा हिन्दी विवेचना और प्रयुक्ति : डॉ. किशोर वासवानी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली.

6) संघ की राजभाषा : हरिबाबू जगन्नाथ, केंद्रीय सचिवालय, हिन्दी परिषद, सरोजनी नगर, नई दिल्ली – 002

7) आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना : डॉ. वासुदेव नंदप्रसाद, भारती भवन, ठाकुरबाड़ी, पटना.

8) प्रयोजनमूलक हिन्दी : दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली.

9) राजभाषा हिन्दी : कैलाशचंद्र भाटिया, नई दिल्ली.

10) प्रयोजनमूलक हिन्दी संरचना और प्रयोग : डॉ. माधव सोनटक्के.

11) प्रयोजनमूलक हिन्दी की नई भूमिका : डॉ. कैलाशनाथ पाण्डेय.

12) प्रयोजनमूलक हिन्दी : डॉ. विनोद गोदरे.

13) राजभाषा अधिनियम : अ.भा. हिन्दी संस्था संघ

14) मानक हिन्दी का शुद्धिपरक व्याकरण : डॉ. रमेशचंद्र मल्होत्रा

15) प्रामाणिक आलेखन और टिप्पण : प्रो. विराज एम.ए.

16) व्यावसायिक हिन्दी : आर.एन. दुबे, डॉ. प्रभाकर गुप्ता, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली

17) व्यावहारिक हिन्दी भाग दो : ओमप्रकाश सिंहल, पीतांबर पब्लिशिंग कं., नई दिल्ली

18) हिन्दी भाषा व्याकरण एवं रचना : डॉ. अर्जुन तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी.

19) बैंकों में हिन्दी पत्राचार : दंगल झाल्टे, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली

20) समाचारपत्र व्यवस्थापन : अनंतगोपाल शेवडे, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल

21) कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग : विजय कुमार मल्होत्रा

22) कम्प्यूटर के सिद्धांत तथा प्रोग्रामन : डॉ. जोखन सिंह

23) इंटरनेट : शशि शुक्ला

24) अनुवाद कला : भोलानाथ तिवारी

25) अनुवाद सिद्धांत और व्यवहार : जयंतीप्रसाद नौटियाल

26) प्रयोजनमूलक हिन्दी और जनसंचार : डॉ. राजेन्द्र मिश्र , तक्षशिला प्रकाशन

27) प्रयोजनमूलक हिन्दी विविध आयाम : डॉ. मनोज पाण्डेय , अकादमिक प्रतिभा प्रकाशन

28) हिन्दी पत्रकारिता : विविध आयाम – वेदप्रताप वैदिक

29) उत्तर आधुनिक मीडिया तकनीक – हर्षदेव

30) कम्प्यूटर एवं हिन्दी – डॉ. हरिमोहन

31) कामकाजी हिन्दी – सूर्यप्रसाद दीक्षित

32) समाचार संकलन एवं लेखन – नंदकिशोर त्रिखा